को छोड़कर भारत को यात्रा करने आए विदेशी पर्यटकों की संख्या नीचे दी गई है :—

वर्ष	पर्यटक आगमन
1988	12,39,992
1989	13,37,232
1990	13,29,950
1991 (जनवरी से जून)	5,29,185 (अनंतिम)

सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में देश में पर्यटन आधारित संरचना में निरंतर वृद्धि करना और विदेशी मार्किटों में मार्किटिंग प्रयासों को सुदृढ़ करना शामिल है ।

(ख) सरकार ने देश के होटल उद्योग को पहले से ही काफ़ी मात्रा में प्रोत्साहन उपलब्ध करा रखे हैं ।

(ग) राजस्थान राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार वर्ष 1990 के दौरान 5,059 विदेशी पर्यटकों ने सवाई माधोपुर की यात्रा की ।

(घ) पर्यटक स्थानों के विकास की जिम्मेदारी मुख्यतः राज्य सरकार की होती है ।

मध्य प्रदेश में विमान सेवायें

1059. **श्री अजीत जोगी :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश राज्य में इंडियन एयरलाइंस द्वारा प्रदान की गयी विमान सेवाओं की संख्या को हाल में कम कर दिया गया है और विशेषकर, ग्वालियर, जबलपुर और बिलासपुर जैसे स्थानों से विमान सेवाओं को पूर्णतः बंद कर दिया गया है ;

(ख) जिन मार्गों पर विमान सेवाओं को बंद कर दिया गया है उन पर इंडियन एयरलाइंस द्वारा कब तक विमान सेवायें शुरू की जायेंगी ; और

(ग) क्या राज्य की राजधानी भोपाल को, राज्य के अन्य महत्वपूर्ण शहरों जैसे, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, और ग्वालियर के साथ निकट भविष्य में विमान सेवा से जोड़ा जायेगा ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) बिलासपुर इंडियन एयरलाइन्स के नेटवर्क पर कभी नहीं था । जबलपुर बोइंग–737 विमान के उतरने के लिए उपयुक्त नहीं है और इसलिए इंडियन एयरलाइन्स ने 1989 से जबलपुर के लिए परिचालन नहीं किया है । ग्वालियर के लिए सेवाएं जनवरी, 1991 से बन्द कर दी गई थी ।

(ख) इंडियन एयरलाइन्स की अगस्त 1991 में दिल्ली-ग्वालियर-भोपाल-इंदौर–बम्बई मार्ग पर उड़ान को पुनः आरम्भ करने की योजना है ।

(ग) निजी विमान प्रचालकों को मध्य प्रदेश में और अधिक स्थानों को हवाई सेवा से जोड़ने के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा ।

Use of coal in captive power plants of SAIL

1060. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether the Steel Authority of India Limited running integrated steel units in the country has clandestinely burnt huge quantities of precious cooking coal in its captive power plants of Durgapur and Bokaro.